

सक्रिय हैं। उस विदेशी शक्तियों को समझकर उन बातों को हम लोग कैसे सीखें?

अभी-अभी 9 अगस्त को यू एन ओ ने एक प्रस्ताव पारित किया कि एक ट्राईबल डे मनाया जायेगा। आदिवासी दिवस। और भारत के अन्दर प्रचारित करने का एक निरन्तर कुछ वर्षों से लगातार प्रयत्न चल रहा है कि भारत के मूल निवासी कौन हैं और जिनको हम अनुसूचित जनजाति के लोग मानते हैं, वह यहां के मूल निवासी हैं। जो गरीब हैं वह मूल निवासी हैं। जिनको दलित माना जाता है वह मूल निवासी हैं। बाकि सब बाहर से आए हैं। इसके आधार पर संघर्ष का वातावरण कौन कर रहा है। जो भारत को समृद्ध होते हुए देखना नहीं चाहते। जो भारत की राष्ट्र की सकारात्मक सोच लेकर चला हुआ जो देश है उस देश को दुर्बल बनाने के लिए राजनैतिक भूमिका को ही विश्व के मंच पर जिन्होंने स्थापित करने का संकल्प लिया वह इन षडयंत्रों के पीछे है। और इसलिए यह एक राजनैतिक दृष्टि से राष्ट्रवाद। संकुचितता बढ़ाने वाली और यह हम सबके लिए विचार करने वाली बात है। और इसलिए वह समझ लें। भारतीय राष्ट्रीयता के बारे में कहा गया कि यहां की संस्कृति से जुड़ा हुआ है। और ये यहां की राष्ट्रीयता और यहां की संस्कृति। जब हम कहते हैं कि भारतीय संस्कृति और भारतीय राष्ट्रीयता तो इसका वैकल्पिक शब्द नहीं, उसका दूसरा शब्द है हिन्दू संस्कृति और हिन्दू राष्ट्रीयता। ये कोई मजहब का विषय नहीं है। इस्लामिक राष्ट्र, इस्लामिक विषय यह मजहब हो सकता है हिन्दू राष्ट्र और हिन्दू संस्कृति ये मजहब नहीं हो सकता। क्योंकि हिन्दू कोई मजहब नहीं है। कौन समझाए इनको। क्यों ये हिन्दू के मजहब के नाम से क्या हिन्दू की कोई पद्धति है। हिन्दू का कौन सा भगवान एक है। हिन्दू का कौन सा एक ग्रंथ है। सम्प्रदाय, मजहब तो वह होते हैं जिनका ग्रन्थ एक होता है, जिनकी पद्धति एक होती है, जिनके पूजा के स्थल एक होते हैं। हिन्दू समाज में तो विविधता भरी हुई है। ये संस्कृति है। और इसलिए यहां की राष्ट्रीयता का विचार और इसलिए हम तो सभी कहते हैं कि इस देश में रहने वाले किसी भी सम्प्रदाय के हों वह इस्लाम को मानने वाले हों, इसाई को मानने वाले हों, मूलतः वह इसी देश के हैं। इसी देश की वह संतति है। ये उन्होंने भी मानने की आवश्यकता है कि हम मूलतः इसी देश की संतति है। बाहर से आए हुए लोगों ने उसका उस भाव को प्रकट और सशक्त करना है तो उसका एक ही सूत्र है हम सबके पूर्वज एक हैं। हम सब के पूर्वज कोई अलग-अलग नहीं हैं। इस बात को